


6.6.22

पत्रावली पेश हुई वादीगण वकील 34.
वादीगण का वाक स्वीकार किया गया
विद्वत् निर्णय जुदागण सिद्धा आकर
दावा निर्णीत किया गया कतः उल्लिखित
निकली भी नरह का अकुलोष शैल नहीं है
सिद्धा पत्रावली आज जमानत शुमार
होकर यादिल अद्वार की जाती है


सहायक कलक्टर
(300.) सिवाना